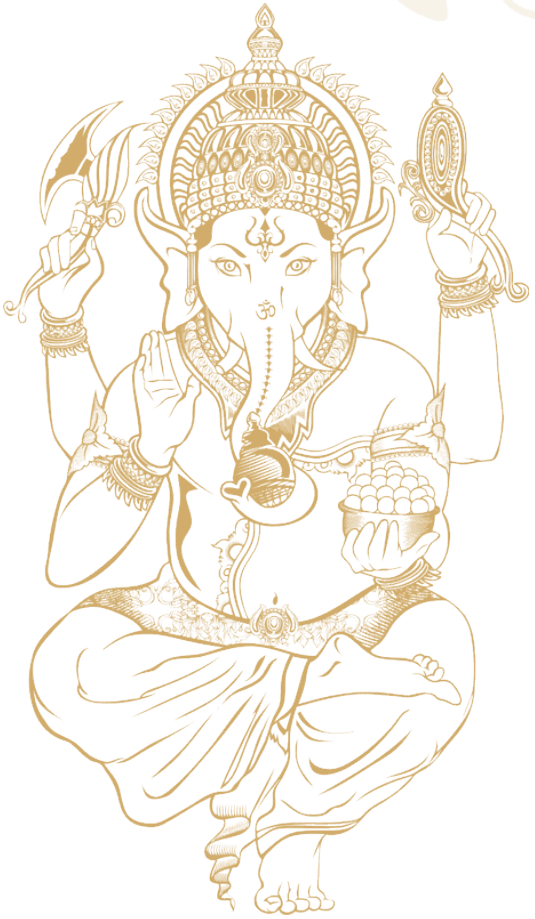

Ranveer

19 Mar 2000

01:55 AM

Sirohi

Model: Varshphal-2017

Order No: 121870101

तिथि 19/03/2000 **समय** 01:55:00 **वार** रविवार **स्थान** Sirohi **चित्रपक्षीय अयनांश** : 23:51:22
अक्षांश 25:53:00 उत्तर **रेखांश** 72:58:00 पूर्व **मध्य रेखांश** 82:30:00 पूर्व **स्थानिक संस्कार** -00:38:08 घंटे

पंचांग

साम्पातिक काल	13:03:40 घं
वेलान्तर	00:07:43 घं
सूर्योदय	06:44:26 घं
सूर्यास्त	18:48:16 घं
चैत्रादि संवत	2056
शक संवत	1921
मास	फाल्गुन
पक्ष	शुक्ल
तिथि	14
नक्षत्र	पू०फाल्गुनी
योग	शूल
करण	वणिज

अवकहड़ा चक्र

गण	मनुष्य
योनि	मूषक
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	वनचर
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	टा-टाटा
पाया(रा.-न.)	रजत-रजत
होरा	गुरु
चौघड़िया	काल

विंशोत्तरी

शुक्र 13वर्ष 8मा 13दि

चन्द्र

01/12/2019
30/11/2029

चन्द्र	30/09/2020
मंगल	01/05/2021
राहु	31/10/2022
गुरु	01/03/2024
शनि	01/10/2025
बुध	02/03/2027
केतु	01/10/2027
शुक्र	01/06/2029
सूर्य	30/11/2029

योगिनी

उल्का 4वर्ष 1मा 10दि

भ्रामरी

28/04/2025
28/04/2029

भ्रामरी	08/10/2025
भद्रिका	29/04/2026
उल्का	28/12/2026
सिद्धा	08/10/2027
संकटा	28/08/2028
मंगला	07/10/2028
पिंगला	28/12/2028
धान्या	28/04/2029

ग्रह	व	अ	अंश	राशि	नक्षत्र	पद	स्वामी	अं.	स्थिति	षट्बल	चर	स्थिर	ग्रह तारा
लग्न			09:37:46	धनु	मूल	3	केतु	शनि	---	0:00			
सूर्य			04:41:17	मीन	उ०भाद्रपद	1	शनि	शनि	मित्र राशि	1.36	ज्ञाति	पितृ	वध
चंद्र			17:31:54	सिंह	पू०फाल्गुनी	2	शुक्र	मंगल	मित्र राशि	1.07	अमात्य	मातृ	जन्म
मंगल			03:02:37	मेष	अश्विनी	1	केतु	सूर्य	मूलत्रिकोण	1.55	कलत्र	भ्रातृ	अतिमित्र
बुध			09:41:03	कुंभ	शतभिषा	1	राहु	गुरु	सम राशि	1.19	पुत्र	ज्ञाति	प्रत्यारि
गुरु			12:25:49	मेष	अश्विनी	4	केतु	बुध	मित्र राशि	1.23	मातृ	धन	अतिमित्र
शुक्र			12:46:28	कुंभ	शतभिषा	2	राहु	बुध	मित्र राशि	1.24	भ्रातृ	कलत्र	प्रत्यारि
शनि			20:12:45	मेष	भरणी	3	शुक्र	गुरु	नीच राशि	1.08	आत्मा	आयु	जन्म
राहु	व		08:27:55	कर्क	पुष्य	2	शनि	शुक्र	शत्रु राशि		---	ज्ञान	वध
केतु	व		08:27:55	मक	उत्तराषाढ़ा	4	सूर्य	शुक्र	शत्रु राशि		---	मोक्ष	सम्पत

लग्न-चलित

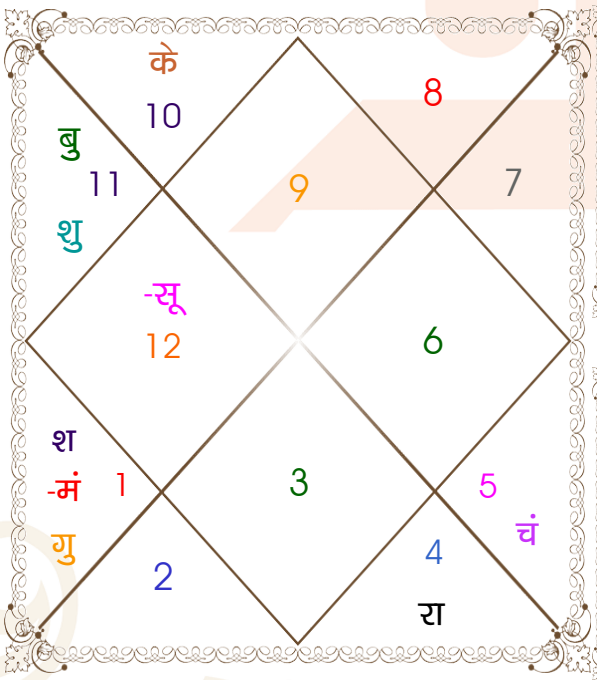

चन्द्र कुंडली

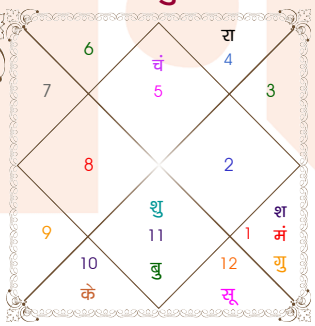

नवमांश कुंडली

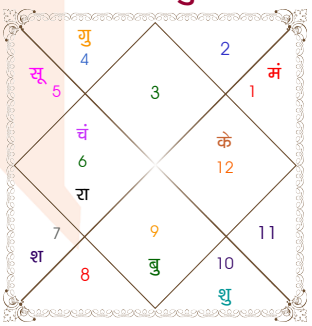

सर्वाष्टकवर्ग

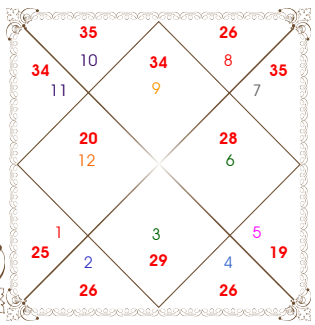

दशमांश कुंडली

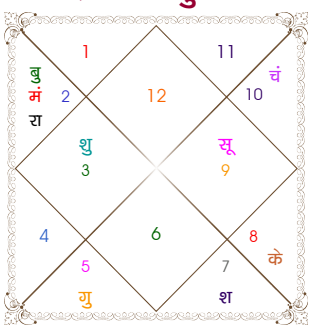

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा शरीर में कफ आदि रोगों से आप समय समय पर कष्ट की अनुभूति करेंगे। साथ ही मानसिक रूप से भी आपकी स्थिति अच्छी नहीं रहेगी तथा मन में तनाव एवं व्याकुलता का भाव विद्यमान रहेगा। इस समय शरीर में दुर्बलता भी रहेगी तथा स्वभाव में कोध भी अधिक रहेगा फलतः यदा कदा अनावश्यक परेशानियां उत्पन्न होंगी। परिवार की सुख शान्ति तथा समृद्धि इस वर्ष में अच्छी नहीं रहेगी तथा पुत्र एवं स्त्री से संबंधों में तनाव तथा परस्पर कलह का भाव रहेगा जिससे दाम्पत्य सुख में न्यूनता रहेगी। धर्म के प्रति भी इस समय आपकी श्रद्धा कम ही रहेगी तथा धार्मिक प्रवृतियों की आप उपेक्षा करेंगे। साथ ही सुख संसाधनों में भी अल्पता रहेगी तथा सुख भी अल्प मात्रा में प्राप्त होगा। इस समय समाज में लोकोपवाद से आपकी मान हानि की संभावना रहेगी फलतः मानसिक व्याकुलता की आपको अनुभूति होगी।

व्यापारिक तथा कार्यक्षेत्र की उन्नति के लिए भी वर्ष अनुकूल नहीं रहेगा तथा व्यापारिक उन्नति तथा सफलता में व्यवधान उत्पन्न होंगे साथ ही हानि की भी संभावना रहेगी। नौकरी या राजनीति में इस समय आपकी उन्नति में विलम्ब होगा तथा इसमें रूकावटें भी आएंगी। शत्रु पक्ष से इस समय आप चिन्तित भयभीत तथा पराजित रहेंगे तथा समाज में अन्य जनों से आपका कलह भी होता रहेगा जिससे समाजिक मान सम्मान तथा यश में कमी आएगी। इस समय बन्धुवर्ग से भी आपको तिरस्कृत होना पड़ेगा तथा वे आपको कोई भी सहयोग प्रदान नहीं करेंगे । इसके अतिरिक्त आर्थिक रूप से भी आप परेशान रहेंगे तथा धनाभाव से कष्ट प्राप्त होगा। इस प्रकार यह वर्ष आपके लिए प्रतिकूल रहेगा। अतः शान्ति पूर्वक अपना समय व्यतीत करें।

अथ वर्षलग्नेशफलम्

वर्ष लग्न के स्वामी को वर्षलग्नेश कहते हैं। वर्ष के पंचाधिकारियों में इसकी विशेष महत्ता है। अतः वर्ष की अनेक शुभाशुभ घटनाओं में लग्नेश का प्रभाव रहता है। साथ ही जातक के स्वास्थ्य, कार्य एवं भाग्य को वर्ष में यह विशेष रूप से प्रभावित करता है। यदि वर्ष लग्नेश पंचवर्गी बल से पूर्ण बलवान हो और उसे शुभ ग्रह देखते हों या शुभ ग्रहों से युति हो और स्वयं केन्द्र तथा त्रिकोण स्थान में स्थित हो तो वह सम्पूर्ण अरिष्टों को नष्ट करके सुख और धन देता है। यथाः-

लग्नाधिपो बलयुतः शुभेक्षित युतोऽपि वा।
केन्द्रत्रिकोणगोऽरिष्टम् नाशयेत्सुखवित्तदः।।

-*-

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर आप शारीरिक रूप से कष्ट प्राप्त करेंगे जिससे शरीर में दुर्बलता रहेगी तथा स्वभाव में क्रोध की अधिकता रहेगी। मानसिक स्थिति भी इस समय आपकी अशान्त रहेगी तथा मन में उद्विग्नता तथा व्याकुलता का भाव विद्यमान रहेगा। इस वर्ष यात्राओं से आपको हानि होगी तथा यात्रा के मध्य कोई कष्ट भी हो सकता है अतः लम्बी दूरी की यात्राओं की आपको उपेक्षा करनी चाहिए। शत्रु पक्ष से भी आप चिन्तित तथा भयभीत रहेंगे एवं उनसे आपको अनावश्यक समस्याएं उत्पन्न होगी। साथ ही आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य भी विलम्ब से सिद्ध होंगे एवं आशाओं में भी असफलता मिलेगी। इस समय रक्त विकार या किसी दुर्घटना आदि से भी आपको कोई परेशानी हो सकती है । इसके अतिरिक्त धर्म के प्रति आपकी उपेक्षा रहेगी तथा धार्मिक कृत्यों का अनुपालन नहीं करेंगे।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति के लिए भी वर्ष अच्छा नहीं रहेगा। व्यापार में इस समय आपकी हानि की संभावना रहेगी तथा अनावश्यक समस्याएं भी उत्पन्न होंगी। इस समय लाभ मार्ग भी अवरूद्ध होंगे तथा आर्थिक स्थिति भी अच्छी नहीं रहेगी। साथ ही व्ययाधिक्य या हानि के कारण आपको आर्थिक परेशानी का सामना करना पड़ेगा। नौकरी या राजनीति में भी पदोन्नति में विलम्ब तथा व्यवधान उत्पन्न होंगे तथा वरिष्ठ नेताओं या उच्चाधिकारी वर्ग से आपके संबंधों में तनाव रहेगा जिससे इनके कारण भी आप किसी परेशानी में फंस सकते है। अतः इनकी उपेक्षा न करें तथा सावधान भी रहें। इसके अतिरिक्त समाजिक मान प्रतिष्ठा में भी कमी रहेगी। अतः समय की प्रतिकूलता को देखकर धैर्य पूर्वक अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करें।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य विशेष अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर कष्ट एवं परेशानी की अनुभूति करते रहेंगे। इस समय आपकी मानसिक स्थिति भी विशेष अच्छी नहीं रहेगी तथा अशान्ति एवं असन्तुष्टि का भाव मन में विद्यमान रहेगा। स्त्री एवं बन्धुवर्ग से आपको विशेष सुख एवं सहयोग अल्प ही मिलेगा तथा इनसे समय समय पर आपको अनावश्यक समस्याएं तथा परेशानियां उत्पन्न होंगी। शत्रु पक्ष से भी आप इस समय चिन्तित रहेंगे तथा आपके लिए वे उन्नति के मार्ग में व्यवधान उत्पन्न करते रहेंगे। धर्म के प्रति भी आपके मन में विशेष श्रद्धा नहीं रहेगी तथा धार्मिक कार्य कलापों की आप उपेक्षा करेंगे। साथ ही लोभ एवं मोह में आपकी अधिक आसक्ति रहेगी।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति एवं सफलता के लिए भी वर्ष अनुकूल नहीं रहेगा तथा उन्नति के मार्ग में व्यवधान होंगे अतः नौकरी या राजनीति के क्षेत्र में वरिष्ठ सहयोगी अथवा उच्चाधिकारी वर्ग से सावधान रहें एवं उनकी आज्ञा का पालन करें ।साथ ही व्यापार आदि में भी सहयोगियों से सावधान रहें एवं किसी नए कार्य पर व्यय न करें तथा प्रारंभ भी न करें अन्यथा असफलता ही अधिक मिलेगी। मित्र वर्ग से भी इस समय आप को विशेष सहयोग नहीं मिलेगा तथा वे भी ऐसे समय में शत्रु की तरह की तरह व्यवहार करेंगे ।मानसिक रूप से भी आप में दुर्बलता रहेगी तथा किसी प्रकार के बन्धन का भी भय लगा रहेगा ।अतः ऐसे समय में आपको अत्यंत ही संयम एवं सावधानी पूर्वक अपना समय व्यतीत करना चाहिए।

अथ मुंथेशफलम्

वर्ष कुण्डली में मुंथा जिस राशि में स्थित हो उस राशि का स्वामी मुंथेश कहलाता है। यह वर्ष के पंचाधिकारियों में एक प्रमुख ग्रह होता है। अतः शुभभावस्थ मुंथेश के प्रभाव से जातक विशिष्ट परिस्थतियों में उत्तम लाभ प्राप्त करने में समर्थ रहता है। यदि वर्ष प्रवेश के समय मुंथेश षष्ठ, अष्टम, द्वादश तथा चतुर्थ भाव में स्थित हो या अस्त, वक्री एवं पापग्रहों से युक्त हो अथवा क्रूर ग्रहों के स्थान से चतुर्थ या सप्तम स्थान में स्थित हो तो शुभ फलदायक न होकर अशुभफल, धनहानि या शरीर संबधी कष्ट प्रदान करता है। यथाः-

षष्ठेऽष्टमेन्त्ये भुवि वेन्थिहेशोऽस्तङगोऽथ वक्रोऽशुभदृष्टियुक्तः।
क्रूराच्चतुर्थास्तगतश्च भव्यो न स्याद्रुजं यच्छति वित्तनाशम्।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर आपको शारीरिक कष्ट की प्राप्ति होती रहेगी। साथ ही मानसिक रूप से भी आपके मन में अशान्ति तथा उद्विग्नता बनी रहेगी। शत्रु वर्ग से आप इस समय भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे तथा वे आपके लिए अनावश्यक समस्याएं उत्पन्न करते रहेंगे जिससे शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो की सिद्धि में परेशानी का सामना करना पड़ेगा। अतः शत्रु पक्ष से आपको सावधान रहना चाहिए। इस समय आपके रूके हुए कार्य भी अल्प मात्रा में ही पूर्ण होंगे साथ ही आशाओं में भी सामान्यतया असफलता ही प्राप्त होगी। आर्थिक दृष्टि से भी यह वर्ष विशेष अच्छा नहीं रहेगा तथा आवश्यक मात्रा में ही परिश्रम पूर्वक धनार्जन होगा लेकिन यदा कदा व्ययाधिक्य के कारण आपको धनाभाव संबधी परेशानी हो सकती है। इसके साथ ही रक्त विकार संबधी कष्ट की संभावना भी रहेगी ।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र के लिए वर्ष विशेष अनुकूल नहीं रहेगा तथा कार्यक्षेत्र संबधी परेशानी रहेगी एवं लाभ मार्ग भी अवरूद्ध रहेंगे। फलतः व्यापार से आपको चिन्ता रहेगी। नौकरी तथा राजनीति में भी पदोन्नति संबधी समस्याएं रहेंगी तथा इससे अनावश्यक विलम्ब एवं व्यवधान उत्पन्न होंगे। इसके साथ ही सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से भी आपके संबध सामान्य रहेंगे तथा उनसे इच्छित लाभ एवं सहयोग अल्प मात्रा में ही प्राप्त होगा जिससे शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो की सिद्धि में परशानी रहेगी। अतः ऐसी स्थिति में आपको धैर्य एवं संयमपूर्वक अपना समय व्यतीत करना चाहिए।

प्रथम मास
19/03/2026 18:01:44 से 19/04/2026 04:28:54 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		सिंह	पू०फाल्गुनी	24:57:17
सूर्य		मीन	उ०भाद्रपद	04:41:18
चन्द्र		मीन	उ०भाद्रपद	10:44:27
मंगल		कुम्भ	शतभिषा	19:06:17
बुध	व	कुम्भ	शतभिषा	14:20:58
गुरु		मिथुन	पुनर्वसु	20:58:34
शुक्र		मीन	रेवती	22:00:23
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	09:45:58
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	14:43:49
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	14:43:49
मुंथा		कुम्भ	शतभिषा	09:37:46

मासाधिपति : गुरु

मासाधिपति

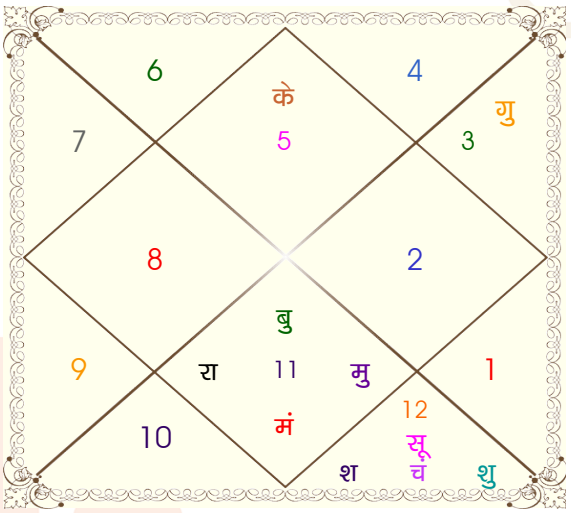

यह मास आपके लिए विशेष अच्छा नहीं रहेगा। इस समय स्त्री पक्ष तथा बन्धु जनों से आप कष्ट प्राप्त करेंगे। साथ ही शत्रु की तरफ से भी चिन्ता बनी रहेगी। आप में इस समय उत्साह की न्यूनता भी परिलक्षित होगी तथा धन का व्यय भी अधिक मात्रा में होगा। आप शरीर से भी अस्वस्थता की अनुभूति करेंगे तथा मन में लालच के भाव की भी प्रधानता होगी। साथ ही आप अपने शरीर का पूर्ण ध्यान नहीं रखेंगे। अपने बन्धुजनों से आपके सम्बन्धों में तनाव भी उत्पन्न होगा एवं मित्र भी शत्रुओं के समान व्यवहार करेंगे जिससे मानसिक तनाव बना रहेगा। इसके अतिरिक्त अन्य जनों से भी संघर्ष होने का भय बना रहेगा।

परन्तु इस मास में अशुभ फलों के साथ साथ शुभ फल भी समय समय पर घटित होंगे।अतः आप स्त्री से सुख प्राप्त करेंगे एवं बुद्धिमत्ता से अपने अधिकांश कार्यों को सम्पन्न करेंगे। साथ ही धर्मानुपालन में भी आप रूचिशील रहेंगे। अतः आपका यह मास मध्यम रूप से ही व्यतीत होगा।

द्वितीय मास
19/04/2026 04:28:54 से 20/05/2026 03:04:31 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कुम्भ	पू०भाद्रपद	28:33:16
सूर्य		मेष	अश्विनी	04:41:18
चन्द्र		मेष	भरणी	24:59:47
मंगल		मीन	उ०भाद्रपद	12:52:21
बुध		मीन	उ०भाद्रपद	11:21:46
गुरु		मिथुन	पुनर्वसु	23:09:56
शुक्र		मेष	कृतिका	29:25:33
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	13:31:12
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	13:31:02
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	13:31:02
मुंथा		कुम्भ	शतभिषा	12:07:46

मासाधिपति : गुरु

मासाधिपति

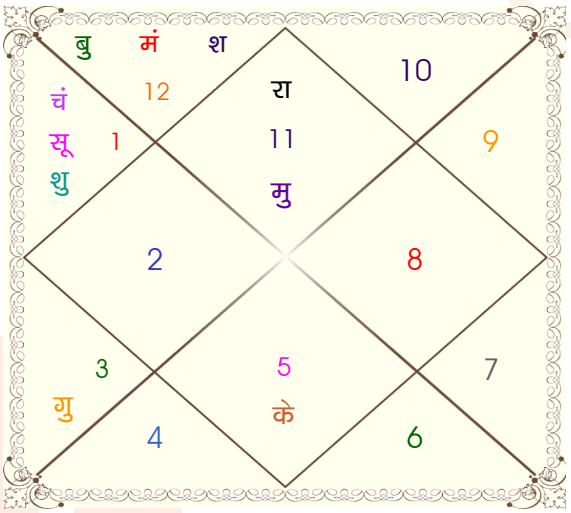

यह मास आपके लिए अत्यंत ही सुखदायक एवं आनंदवर्द्धक रहेगा। इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा मानसिक रूप से भी आप प्रसन्न रहेंगे।साथ ही आपके पराक्रम में वृद्धि होगी तथा शत्रुओं का नाश होगा तथा लाभमार्ग भी नित्य उन्नति की ओर अग्रसर रहेंगे फलतः आर्थिक रूप से आप पूर्ण सुदृढ़ रहेंगे। नौकरी या व्यापार के अतिरिक्त आप अन्य स्त्रोतों से भी लाभार्जन करेंगे।साथ ही समाजिक जनों से आप पूर्ण सम्मान तथा प्रतिष्ठा अर्जित करने में सफल रहेंगे। यह मास आपकी भाग्योन्नति में भी सहायक रहेगा तथा कई ऐसे शुभ कार्य जो समय से सिद्ध न हो रहे हों इस समय सिद्ध हो जाएंगे। इसके अतिरिक्त बन्धु एवं मित्रों से संबन्धों में मधुरता बढ़ेगी तथा सांसारिक कार्यों में पूर्ण सफलता मिलेगी जिससे आप मानसिक रूप से प्रसन्नता प्राप्त करेंगे। उच्चाधिकारी वर्ग भी इस समय आपसे पूर्ण प्रसन्न रहेंगे तथा इनसे आप अनुकूल सहयोग होता रहेगा।

साथ ही आप स्त्री से पूर्ण सुख तथा सहयोग भी अर्जित करेंगे तथा बुद्धि में भी निर्मलता का भाव विद्यमान रहेगा। इसके अतिरिक्त प्रचुर मात्रा में धनार्जन करेंगे तथा सुख पूर्वक मास को व्यतीत करेंगे। धर्म के प्रति भी आपके मन में पूर्ण श्रद्धा उत्पन्न होगी तथा समाज से आप पूर्ण यश तथा सम्मान प्राप्त करने में सफल रहेंगे।

तृतीय मास

20/05/2026 03:04:31 से 20/06/2026 10:40:39 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मीन	उ०भाद्रपद	11:30:53
सूर्य		वृष	कृतिका	04:41:18
चन्द्र		मिथुन	आर्द्रा	18:04:57
मंगल		मेष	अश्विनी	06:29:55
बुध		वृष	रोहिणी	11:07:30
गुरु		मिथुन	पुनर्वसु	27:39:01
शुक्र		मिथुन	आर्द्रा	06:47:35
शनि		मीन	रेवती	16:54:54
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	10:36:57
केतु	व	सिंह	मघा	10:36:57
मुंथा		कुम्भ	शतभिषा	14:37:46

मासाधिपति : चन्द्र

मासाधिपति

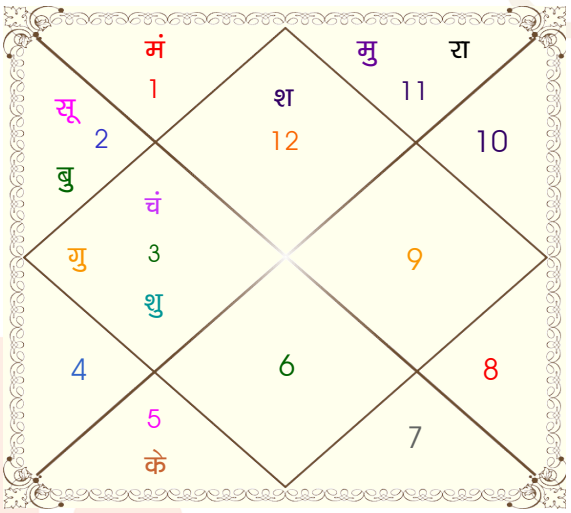

यह मास आपके लए मध्यम रहेगा अर्थात शुभ फलों के साथ साथ अशुभ फल भी प्राप्त होंगे अतः आप का व्यय अधिक मात्रा में होगा तथा दुष्ट जनों की संगति भी करेंगे। साथ ही आपका स्वास्थ्य भी पूर्ण रूप से ठीक नहीं रहेगा इस समय आपके सभी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य पराक्रम एवं परिश्रम के उपरान्त भी अल्प मात्रा में ही सिद्ध हो सकेंगे। धर्म के प्रति आपके मन में विशेष श्रद्धा नहीं रहेगी तथा न ही आप इसका अनुपालन करेंगे। साथ ही अन्य प्रकार से भी आप धन हानि को प्राप्त कर सकते हैं। मित्रों एवं सम्बन्धियों के मध्य आपके सम्बन्धों में तनाव रहेगा तथा उनसे उचित सहयोग तथा सुख प्राप्त करने में असमर्थ रहेंगे। आपके कार्यक्षेत्र में भी इस मास में व्यवधान उत्पन्न होंगे तथा शत्रुओं से नित्य भय तथा चिन्ता बनी रहेगी। इसके अतिरिक्त आप जिस कार्य को भी प्रारम्भ करेंगे उसमें सफलता की अपेक्षा असफलता ही अधिक मिलेगी। साथ ही मन से भी अशान्त रहेंगे एवं बैचेनी की अनुभूति करेंगे।

इसके साथ ही इस मास में अशुभ फलों के साथ साथ शुभ फल भी प्राप्त होंगे। अतः आप स्त्री से पूर्ण सुख प्राप्त करेंगे एवं उससे आपको अपेक्षित सहयोग भी प्राप्त होगा। आपकी बुद्धि में निर्मलता के भाव की वृद्धि होगी तथा पूर्ण रूपेण धन लाभ तथा सुख प्राप्त करेंगे। साथ ही आप समाज में कीर्ति भी प्राप्त कर सकेंगे।

चतुर्थ मास
20/06/2026 10:40:39 से 21/07/2026 21:31:49 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		सिंह	मघा	08:05:26
सूर्य		मिथुन	मृगशिरा	04:41:18
चन्द्र		सिंह	पू०फाल्गुनी	14:02:08
मंगल		मेष	कृतिका	29:35:58
बुध		मिथुन	पुनर्वसु	28:38:13
गुरु		कर्क	पुष्य	03:39:28
शुक्र		कर्क	पुष्य	13:37:14
शनि		मीन	रेवती	19:24:19
राहु		कुम्भ	शतभिषा	07:40:40
केतु		सिंह	मघा	07:40:40
मुंथा		कुम्भ	शतभिषा	17:07:46

मासाधिपति : बुध

मासाधिपति

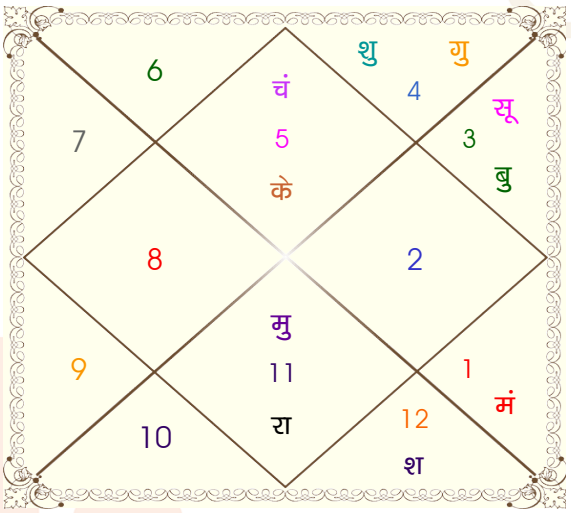

यह मास आपके लिए विशेष अच्छा नहीं रहेगा तथा अशुभ फल अधिक मात्रा में प्राप्त होंगे। इस समय आप स्त्री एवं बन्धुवर्ग से कष्ट की प्राप्ति करेंगे तथा शत्रुपक्ष से भी आपको भय तथा चिन्ता बनी रहेगी जिससे आप मानसिक रूप से भी आप अशान्त रहेंगे ।साथ ही आप में उत्साह के भाव की भी अल्पता रहेगी तथा धन व्यय भी अधिक मात्रा में होगा जिससे आर्थिक संकट भी बना रहेगा। शारीरिक रूप से भी आप अस्वस्थ रहेंगे एवं मन में लोभ के भाव की प्रबलता रहेगी। अपने मित्र एवं बन्धुजनों से भी आपका परस्पर मनमुटाव रहेगा तथा ऐसे समय पर मित्र भी शत्रु की तरह व्यवहार करेंगे जिससे आप आन्तरिक कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे। इसके अतिरिक्त अन्य समाजिक या बन्धुजनों से भी वादविवाद आदि की भी सम्भावना बनी रहेगी। अतः आपका यह समय कष्टपूर्वक ही व्यतीत होगा।

साथ ही इस समय आप वायु से उत्पन्न होने वाले रोगों से अस्वस्थ रहेंगे तथा जाने या अनजाने में किसी ऐसे कार्य को सम्पन्न कर सकते हैं जिसके लिए बाद में आपको पश्चाताप करना पड़े। इससे आपकी समाजिक अवमानना भी होगी। इसके अतिरिक्त इस समय आप अग्नि के द्वारा न्यूनाधिक मात्रा में धन हानि भी प्राप्त करेंगे। अतः सावधानी पूर्वक अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करें।

पंचम् मास
21/07/2026 21:31:49 से 22/08/2026 04:54:00 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कुम्भ	शतभिषा	12:26:57
सूर्य		कर्क	पुष्य	04:41:18
चन्द्र		तुला	स्वाति	07:01:58
मंगल		वृष	रोहिणी	21:47:37
बुध	व	मिथुन	पुनर्वसु	22:19:35
गुरु		कर्क	पुष्य	10:26:38
शुक्र		सिंह	पू०फाल्गुनी	18:52:52
शनि		मीन	रेवती	20:29:49
राहु	व	कुम्भ	धनिष्ठा	06:03:26
केतु	व	सिंह	मघा	06:03:26
मुंथा		कुम्भ	शतभिषा	19:37:46

मासाधिपति : शुक्र

मासाधिपति

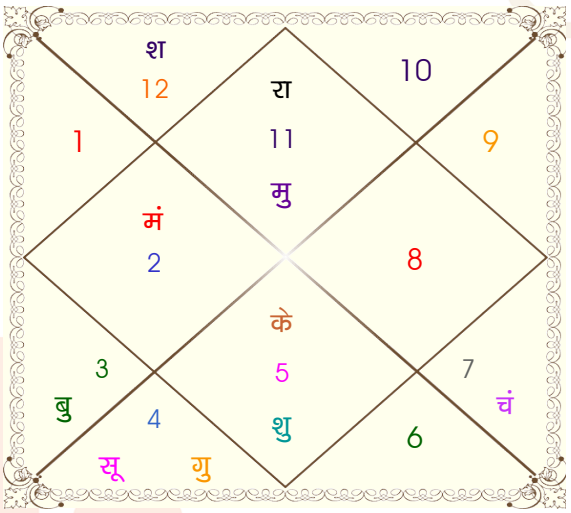

यह मास आपके लिए अत्यंत सुख एवं प्रसन्नता प्रदान करने वाला होगा। इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा तथा मन से भी आप पूर्ण प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे। साथ ही आपके पराक्रम में वृद्धि होगी तथा शत्रु वर्ग निर्बल एवं आपसे पराजित रहेगा। इस समय आपके लाभ मार्ग भी उन्नति की ओर अग्रसर रहेंगे फलतः आपकी आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी एवं धनाभाव नहीं रहेगा। साथ ही व्यापार या नौकरी के अतिरिक्त अन्य स्त्रोतों से भी लाभार्जन करने में सफल रहेंगे इस मास में आपकी भाग्योन्नति भी होगी तथा तथा कई शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य भी सम्पन्न होंगे तथा काफी समय से रूके हुए कार्य भी सम्पन्न हो जाएंगे। बन्धु एवं मित्रों से आपके घनिष्ठ संबध रहेंगे एवं सम्सत सांसारिक कार्यो को आप अपने बुद्धिचातुर्य से सफल बनाएंगे। इसके अतिरिक्त उच्चाधिकारी वर्ग भी आपसे प्रसन्न एवं सन्तुष्ट रहेंगे तथा उनसे आप उचित सहयोग तथा लाभ भी अर्जित करेंगे।

साथ ही इस मास में आप श्रेष्ठ जनों एवं उच्चाधिकार प्राप्त लोगों से सम्मान अर्जित करेंगे। इस समय आपके आजिविका संबधी कार्य में भी उन्नति एवं दृढ़ता का आभास होगा तथा दूर समीप की कोई लाभदायक यात्रा भी कर सकते है। साथ ही नवीन वस्त्रों या द्रव्यों की भी आप प्राप्ति करने में सफल रहेंगे। अतः आपके लिए यह मास शुभ रहेगा।

षष्ठ मास

22/08/2026 04:54:00 से 22/09/2026 03:06:07 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कर्क	पुष्य	16:24:48
सूर्य		सिंह	मघा	04:41:18
चन्द्र		वृश्चिक	ज्येष्ठा	25:05:41
मंगल		मिथुन	आर्द्रा	12:43:56
बुध		कर्क	आश्लेषा	28:46:22
गुरु		कर्क	आश्लेषा	17:19:54
शुक्र		कन्या	हस्त	20:22:10
शनि	व	मीन	रेवती	19:56:48
राहु		कुम्भ	धनिष्ठा	05:35:38
केतु		सिंह	मघा	05:35:38
मुंथा		कुम्भ	पू०भाद्रपद	22:07:46

मासाधिपति : शनि

मासाधिपति

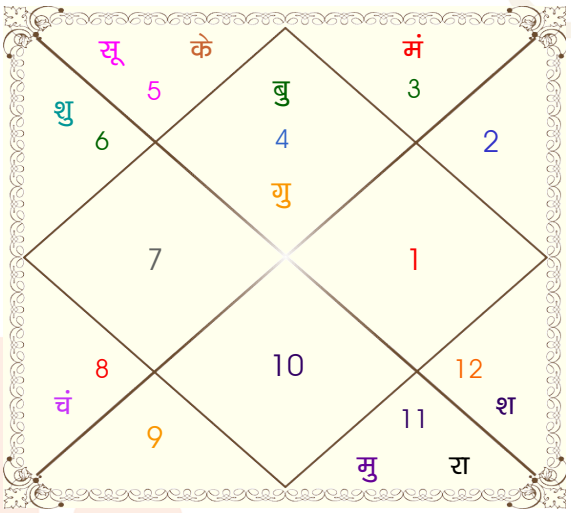

यह मास आपके लिए सामान्यतया अशुभ ही रहेगा अतः इस समय शत्रु पक्ष से आप चिन्तित तथा भयभीत रहेंगे तथा आपके लिए वे अनावश्यक समस्याएं भी उत्पन्न करेंगे। साथ ही इस समय आपके घर में चोरी होने की भी संभावना रहेगी तथा अनावश्यक व्यय भी होगा एवं शुभ कार्यो में विध्न बाधाएं भी उत्पन्न होंगी। आपकी आर्थिक स्थिति भी इस समय अच्छी नहीं रहेगी एवं धर्म के प्रति भी आपके मन में विशेष श्रद्धा का भाव नहीं रहेगा तथा इसके अनुपालन में भी उपेक्षा का भाव रखेंगे। आप इस समय शरीर से भी अस्वस्थ रहेंगे एवं कई प्रकार से कष्ट भी प्राप्त करेंगे जिससे आपकी शारीरिक शक्ति में अल्पता आएगी। इस मास में आप दूर की किसी यात्रा को भी संम्पन्न कर सकते है। सांसारिक कार्यो में भी आप कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे तथा मुकद्दमे आदि में भी धन व्यय होगा अतः मानसिक रूप से भी आप असन्तुष्ट रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप गर्मी या पित्त दोष से उत्पन्न रोगों से कष्ट प्राप्त करेंगे। इस समय किसी प्रकार का रक्त विकार भी हो सकता है तथा अग्नि आदि से भी आप धन हानि प्राप्त कर सकते है। अतः सतर्कता पूर्वक अपने समय को व्यतीत करें जिससे अनावश्यक कष्ट तथा बाधाएं उत्पन्न न हों।

सप्तम् मास
22/09/2026 03:06:07 से 22/10/2026 13:07:11 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कर्क	आश्लेषा	19:27:06
सूर्य		कन्या	उ०फाल्गुनी	04:41:18
चन्द्र		मकर	उत्तराषाढ़ा	07:58:14
मंगल		कर्क	पुनर्वसु	02:04:23
बुध		कन्या	चित्रा	23:36:26
गुरु		कर्क	आश्लेषा	23:40:28
शुक्र		तुला	स्वाति	11:55:40
शनि	व	मीन	रेवती	18:02:49
राहु		कुम्भ	धनिष्ठा	05:20:08
केतु		सिंह	मघा	05:20:08
मुंथा		कुम्भ	पू०भाद्रपद	24:37:46

मासाधिपति : शनि

मासाधिपति

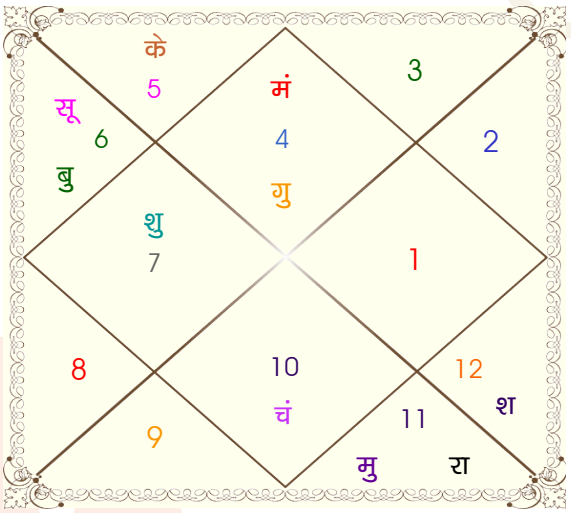

इस मास में आप सामान्यतया शुभाशुभ फलों को अर्जित करेंगे इस समय आप शत्रुओं से अनावश्यक रूप से चिन्तित एवं भयभीत रहेंगे तथा घर में किसी प्रकार की चोरी आदि होने की भी संभावना रहेगी। इस मास में आपका धन व्यय अधिक मात्रा में होगा अतः आर्थिक रूप से आप परेशानी की अनुभूति करेंगे। साथ ही धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा का भाव अल्प मात्रा में रहेगा इस समय आपका स्वास्थ्य भी अच्छा नहीं रहेगा तथा विविध प्रकार से आप कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे इससे आप में दुर्बलता भी आएगी। इस मास में आप दूर समीप की यात्राएं भी करेंगे।साथ ही अपने सांसारिक कार्यो को सम्पन्न करने में आपको कठिनाई का सामना करना पड़ेगा इस समय मुकद्दमे आदि में भी धन का व्यय हो सकता है। अतः संयमपूर्वक इस समय को व्यतीत करें अन्यथा कई प्रकार की समस्याएं उत्पन्न हो सकती है।

परन्तु इस मास में अशुभ फलों के साथ साथ यदाकदा शुभ फल भी प्राप्त होंगे।अतः आप स्त्री का पूर्ण सुख प्राप्त करेंगे तथा उससे आपको वांछित सहयोग भी प्राप्त होगा। आपकी बुद्धि में भी इस समय निर्मलता की वृद्धि होगी तथा धन लाभ एवं सुखार्जन करने में भी आप न्यूनाधिक सफलता अर्जित करेंगे। साथ ही समाज में आप यश भी प्राप्त करेंगे।

अष्टम् मास
22/10/2026 13:07:11 से 21/11/2026 11:16:58 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मकर	उत्तराषाढ़ा	01:02:55
सूर्य		तुला	चित्रा	04:41:18
चन्द्र		कुम्भ	शतभिषा	15:51:13
मंगल		कर्क	आश्लेषा	19:22:09
बुध		तुला	विशाखा	26:29:50
गुरु		कर्क	आश्लेषा	28:48:32
शुक्र	व	तुला	स्वाति	07:38:14
शनि	व	मीन	उ०भाद्रपद	15:42:29
राहु	व	कुम्भ	धनिष्ठा	03:48:41
केतु	व	सिंह	मघा	03:48:41
मुंथा		कुम्भ	पू०भाद्रपद	27:07:46

मासाधिपति : गुरु

मासाधिपति

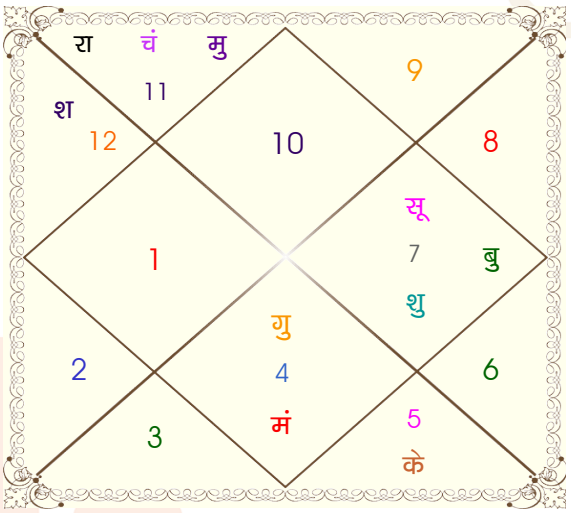

इस मास में आप अपने उत्साह के द्वारा धन लाभ प्राप्त करने में समर्थ रहेंगे। साथ ही सामाजिक जनों से आपको पूर्ण यश तथा सम्मान भी प्राप्त होगा। इस समय आपको अपने पारिवारिक जनों तथा बन्धु वर्ग के मध्य यथोचित प्रतिष्ठा अर्जित होगी तथा परस्पर संबध भी मधुर रहेंगे। इस मास में उच्चाधिकारी वर्ग से आप पूर्ण सहयोग प्राप्त करेंगे। फलतः आपके सभी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य सिद्ध हो जाएंगे। आपकी मिष्ठान्न भक्षण में भी इस मास पूर्ण रूचि रहेगी।आपका शारीरिक स्वास्थ्य भी इस समय अच्छा रहेगा तथा उसमें बल की वृद्धि होती रहेगी। शत्रुपक्ष को पराजित तथा भयभीत करने में भी आप सफल रहेंगे तथा सभी जनों से आपको पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा। फलतः आपका पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। इसके अतिरिक्त व्यापार अदि कार्यो में भी आप प्रचुर मात्रा में लाभार्जन करने में सफल रहेंगे। इस प्रकार यह मास आपके लिये अत्यंत ही शुभफलदायक रहेगा।

साथ ही इस मास में आप स्त्री से पूर्ण सुखी रहेंगे तथा सन्तति पक्ष से भी सहयोग प्राप्त करेंगे। इस समय आपको नवीन वस्त्रों या वस्तुओं की प्राप्ति भी हो सकती है। अतः प्रसन्नता पूर्वक इस मास को व्यतीत करने में आप सफल रहेंगे।

नवम् मास
21/11/2026 11:16:58 से 21/12/2026 00:58:45 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मकर	उत्तराषाढ़ा	03:06:06
सूर्य		वृश्चिक	अनुराधा	04:41:17
चन्द्र		मीन	रेवती	19:11:51
मंगल		सिंह	मघा	03:48:53
बुध		तुला	स्वाति	15:12:22
गुरु		सिंह	मघा	02:01:45
शुक्र		कन्या	चित्रा	29:38:01
शनि	व	मीन	उ०भाद्रपद	14:02:42
राहु	व	कुम्भ	धनिष्ठा	00:45:00
केतु	व	सिंह	मघा	00:45:00
मुंथा		कुम्भ	पू०भाद्रपद	29:37:46

मासाधिपति : शनि

मासाधिपति

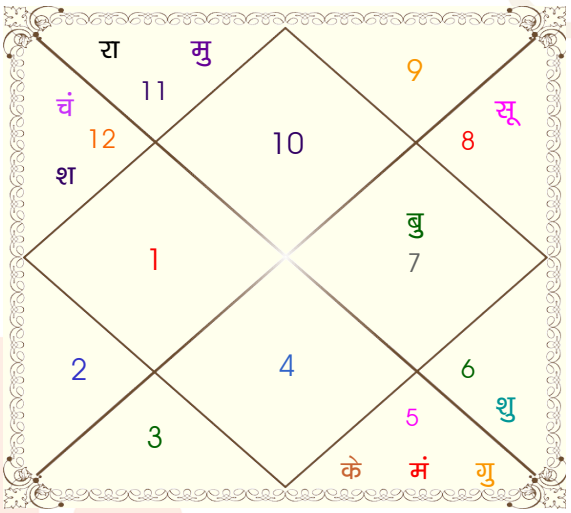

इस मास में आप अपने पराकम एवं उत्साह से प्रचुर मात्रा में धनार्जन करेंगे। साथ ही परिवार एवं सामाजिक जनों से आपको यथोचित मान सम्मान तथा सहयोग प्राप्त होता रहेगा। इस समय आपके यश में भी अभिवृद्धि होगी तथा बन्धु एवं मित्रों के मध्य आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी तथा उनसे आप पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त करने में सफल रहेंगे। उच्चाधिकारी वर्ग से आपको आश्रय प्राप्त होगा तथा इसी परिपेक्ष्य में आप अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को सम्पन्न करने में सफल हो सकेंगे। इस मास में आप मिष्ठान्न के प्रति भी अधिक रूचिशीलता का प्रदर्शन करेंगे।साथ ही आपका स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा एवं शारीरिक बल में पूर्ण वृद्धि होगी। शत्रुवर्ग इस मास में आपका निर्बल रहेगा फलतः वे आपसे पराजित रहेंगे। स्त्री से भी आप सुख की प्राप्ति करेंगे। इसके अतिरिक्त व्यापारादि कार्यो से भी आप अतिरिक्त आय अर्जित करने में सफल रहेंगे।

परन्तु इस मास में शुभफलों के साथ साथ अशुभ फल भी घटित होंगे।अतः आप वातजन्य रोगों से कष्टानुभूति प्राप्त कर सकते हैं। साथ ही इस समय आप किसी ऐसे कार्य को सम्पन्न करेंगे जिससे आपकी सामाजिक अवहेलना होगी तथा बाद में आपको पश्चाताप करना पड़ेगा। इसके अतिरिक्त अग्नि के द्वारा भी आप न्यूनाधिक हानि प्राप्त कर सकते है। अतः यह मास आपके लिए शुभाशुभ फलों से युक्त होकर मध्यम रहेगा।

दशम् मास
21/12/2026 00:58:45 से 19/01/2027 11:40:16 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कन्या	उ०फाल्गुनी	09:51:40
सूर्य		धनु	मूल	04:41:18
चन्द्र		मेष	भरणी	19:18:53
मंगल		सिंह	पू०फाल्गुनी	13:42:29
बुध		वृश्चिक	ज्येष्ठा	28:00:21
गुरु	व	सिंह	मघा	02:41:21
शुक्र		तुला	स्वाति	18:36:32
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	13:46:58
राहु	व	मकर	धनिष्ठा	27:47:51
केतु	व	कर्क	आश्लेषा	27:47:51
मुंथा		मीन	पू०भाद्रपद	02:07:46

मासाधिपति : बुध

मासाधिपति

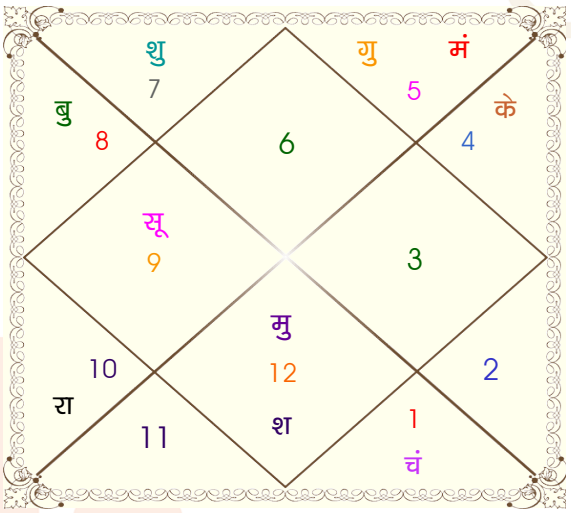

यह मास आपके लिए विशेष अच्छा नहीं रहेगा तथा अशुभ फलों की अपेक्षा शुभ फल अल्प मात्रा में घटित होंगे। इस समय स्त्री तथा स्त्रीपक्ष से कष्ट प्राप्त करेंगे या पत्नी को किसी प्रकार के कष्ट होने की संभावना रहेगी। साथ ही शत्रुपक्ष से भी आप चिन्तित तथा भयभीत रहेंगे। इस मास में आपके उत्साह में कमी आएगी तथा धन का व्यय भी अधिक मात्रा में होगा फलतः आर्थिक रूप से भी कमजोर रहेंगे। साथ ही आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य अत्यंत ही परिश्रम के बाद अल्प मात्रा में ही सिद्ध होंगे फलतः मानसिक रूप से भी आप अशान्त तथा बैचेन रहेंगे। शारीरिक अस्वस्थता के साथ साथ आपके मन में लोलुपता के भाव की भी वृद्धि होगी। अपने बन्धु एवं मित्र वर्ग से आपके अच्छे संबध नहीं रहेंगे एवं परस्पर मनमुटाव रहेगा। ऐसे समय में मित्र भी शत्रुओं के समान व्यवहार करेंगे। इसके अलावा समाज में अन्य लोगों के साथ वाद विवाद तथा संघर्ष होता रहेगा जिससे सामाजिक सम्मान में भी न्यूनता का भाव रहेगा।

परन्तु इस मास में अशुभ फलों के साथ साथ शुभफल भी घटित होंगे।अतः आप महिला वर्ग से पूर्ण सहयोग तथा लाभ अर्जित करने में सफल रहेंगे। साथ ही इस समय परिश्रम पूर्वक धनार्जन एवं लाभ प्राप्त करने में भी आप सफलता प्राप्त कर सकेंगे। इसके अतिरिक्त धर्मानुपालन में भी आप की रूचि उत्पन्न होगी तथा समाज में न्यूनाधिक प्रतिष्ठा अर्जित करने में सफल रहेंगे।

एकादश मास
19/01/2027 11:40:16 से 18/02/2027 01:32:24 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मीन	रेवती	24:50:05
सूर्य		मकर	उत्तराषाढ़ा	04:41:18
चन्द्र		वृष	रोहिणी	18:52:44
मंगल	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	15:41:51
बुध		मकर	श्रवण	15:52:36
गुरु	व	सिंह	मघा	00:38:00
शुक्र		वृश्चिक	ज्येष्ठा	18:30:23
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	15:03:41
राहु	व	मकर	धनिष्ठा	26:26:28
केतु	व	कर्क	आश्लेषा	26:26:28
मुंथा		मीन	उ०भाद्रपद	04:37:46

मासाधिपति : चन्द्र

मासाधिपति

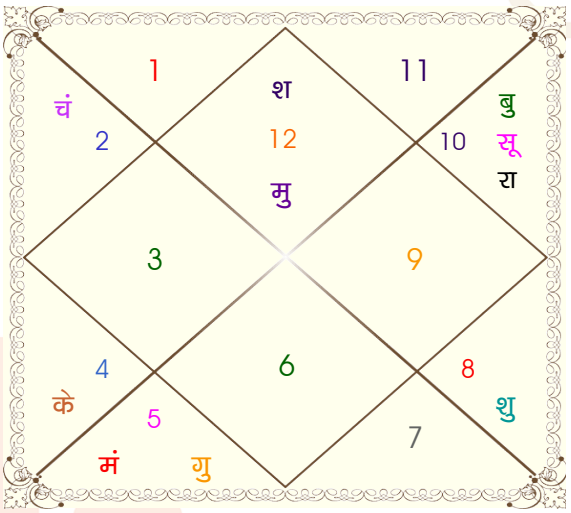

यह मास आपके लिए सामान्य रूप से ही शुभ फलदायक रहेगा तथा अशुभ फल भी अल्प मात्रा में होते रहेंगे। इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा हृदय से भी प्रसन्नता की अनुभूति करेंगे। इस मास में आपके पराक्रम में पूर्ण वृद्धि होगी तथा शत्रु पक्ष को पराजित करने में आप सफल रहेंगे तथा आपके शत्रु आपसे चिन्तित तथा भयभीत रहेंगे। आप की आय स्त्रोतों में भी उन्नति होगी फलतः प्रचुर मात्रा में धनार्जन करके अपनी आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ बनाने में सफल रहेंगे। व्यापार या नौकरी के अतिरिक्त अन्य प्रकार से भी आप लाभार्जन करेंगे। इस समय आपके समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न होंगे तथा भाग्य की भी वृद्धि होगी। साथ ही आपके विलम्बित कार्य भी इस मास में पूर्ण हो सकेंगे। मित्रों तथा बन्धुवर्ग से आपके संबध मधुर रहेंगे तथा सांसारिक कार्य भी समय पर सम्पन्न होते रहेंगे। इसके अतिरिक्त राज्य के उच्चाधिकारी आपसे प्रसन्न एवं सन्तुष्ट रहेंगे तथा उनसे आपको यथा योग्य सम्मान प्राप्त होता रहेगा।

परन्तु इस मास में शुभफलों के साथ साथ यदाकदा अशुभ फल भी घटित होंगे। अतः आप वातजन्य रोगों से पीड़ित रहेंगे तथा प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से आप कोई ऐसा कार्य करेंगे जिससे आपको पश्चाताप करना पड़ेगा तथा समाज में आपकी अवमानना होगी। इसके अतिरिक्त इस मास में अग्नि के द्वारा भी किसी प्रकार क्षति होने की संभावना है। अतः सावधानी पूर्वक अपने कार्यो को सम्पन्न करें।

द्वादश मास

18/02/2027 01:32:24 से 20/03/2027 00:01:45 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		वृश्चिक	अनुराधा	08:24:21
सूर्य		कुम्भ	धनिष्ठा	04:41:18
चन्द्र		मिथुन	पुनर्वसु	21:15:47
मंगल	व	सिंह	मघा	07:15:17
बुध	व	कुम्भ	धनिष्ठा	06:30:49
गुरु	व	कर्क	आश्लेषा	26:54:07
शुक्र		धनु	पूर्वाषाढ़ा	22:16:04
शनि		मीन	रेवती	17:37:36
राहु		मकर	धनिष्ठा	26:17:48
केतु		कर्क	आश्लेषा	26:17:48
मुंथा		मीन	उ०भाद्रपद	07:07:46

मासाधिपति : गुरु

मासाधिपति

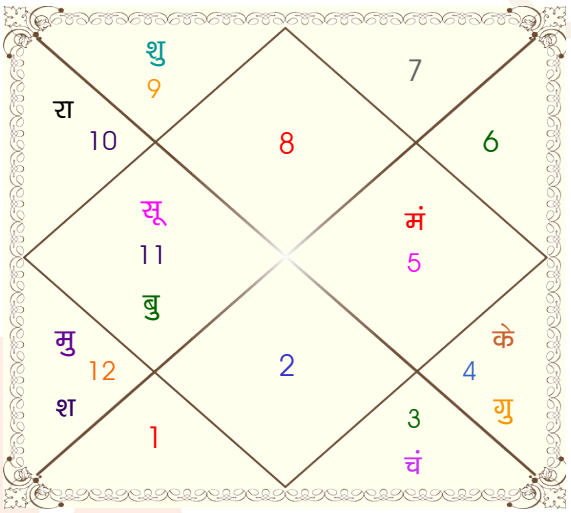

यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं प्रसन्नता प्रदान करने वाला रहेगा इस समय आपकी बुद्धि में निर्मलता के भाव की वृद्धि होगी तथा आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य भी बुद्धिमता से ही सम्पन्न होंगे। इस समय आप विविध प्रकार से द्रव्य अर्जित करेंगे। साथ ही पुत्र संतति से आपको इस मास में पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त होगा। ज्ञानार्जन में भी आपकी रूचि उत्पन्न होगी तथा इसमें आप सफल भी रहेंगे।आपके प्रभुत्व में भी इस समय वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपकी श्रेष्ठता को हृदय से स्वीकार करेंगे तथा आपको यथोचित सम्मान भी प्रदान करेंगे। इस समय आपके कई महत्वपूर्ण कार्य सफल होंगे तथा कहीं से कोई शुभ समाचार भी प्राप्त होगा जिससे आपको हार्दिक प्रसन्नता की अनुभूति होगी।देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा उत्पन्न होगी तथा विधिपूर्वक आप उनकी पूजा तथा सेवा करते रहेंगे। इसके साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग से आपको यथोचित सम्मान तथा सहयोग भी प्राप्त होगा साथ ही समाज में भी आपके यश तथा प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

साथ ही इस मास में आप स्त्री से आवश्यक सहयोग अर्जित करेंगे तथा अपनी बुद्धिचातुर्य से प्रचुर मात्रा में धनार्जन तथा सुखार्जन में सफल रहेंगे। धर्म के प्रति भी आप श्रद्धावान रहेंगे तथा समाज में आदरणीय समझे जाएंगे।